Regarding Caste Census

श्री मनोज कुमार **(**सासाराम**) :** मैडम, आपने मुझे बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं । मैं सासाराम लोक सभा क्षेत्र की जनता को भी धन्यवाद देना चाहता हूं । मैडम, आपको मालूम होगा, बिहार में जाति जनगणना हुई और जातिगत जनगणना के अनुसार दिखाया गया कि 9. 2 प्रतिशत आज भी वैसे लोग हैं, जिनके पास जमीन नहीं है । अब सवाल उठता है कि डोम, चमार, मुसहर और दुसाद कहां रहते हैं, जिनके पास जमीन नहीं है । बड़ी तादाद में एससी-एसटी वर्ग के लोगों के पास जमीन नहीं है । वे सरकारी जमीन, पोखरा और नहर पर रहते हैं । समय-समय पर बिहार में अतिक्रमण के नाम पर गांव के गांव उजाड़े जा रहे हैं ।

हमारे मुख्यमंत्री आदरणीय नीतीश कुमार जी का कहना है कि हमारा दिल गरीबों के लिए बहुत है लेकिन इन्होंने गरीबों को मिटा दिया है । मैडम, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि आज से लगभग 15 साल पहले बिहार सरकार ने एक रणनीति बनाई थी । विधानसभा में रूल पास किया था कि तीन से पांच डिसमिल जमीन चमार, दुसाध, डोम और मुसहर को दी जाएगी, लेकिन आज भी 9. 2 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जिनके पास में जमीन नहीं है । उनको यह कब मिलेगा?

मैडम, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं । बिहार का चुनाव सामने है । मैडम, अगर उनको यह नहीं मिलेगा तो आने वाले समय में उनको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा । मैं आपसे यह निवेदन कर रहा हूं ।